सामाजिक विज्ञान

कक्षा 7

(इतिहास)

Chapter 6: ईश्वर से अनुराग

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

फिर से याद करें

प्रश्न 1: निम्नलिखित का मिलान करें:

बुद्ध	**नामघर**
शंकरदेव	**विष्णु की पुजा**
निज़ामुद्दीन औलिया	**सामाजिक अंतरों पर सवाल उठाए**
नयनार	**सूफी संत**
अलवार	**शिव की पूजा**

उत्तर:

बुद्ध	सामाजिक अंतरों पर सवाल उठाए
शंकरदेव	नामघर
निज़ामुद्दीन औलिया	सूफी संत
नयनार	शिव की पूजा
अलवार	विष्णु की पुजा

प्रश्न 2: रिक्त स्थान की पूर्ति करें:

(क) शंकर _____के समर्थक थे।
(ख) रामानुज_____के द्वारा प्रभावित हुए थे।
(ग) ____ , _____और _____" वीरशैव मत के समर्थक थे।
(घ)_____महाराष्ट्र में भक्ति परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।

उत्तर:

(क) शंकर **अद्वैत** के समर्थक थे।
(ख) रामानुज **अलवार संत** के द्वारा प्रभावित हुए थे।
(ग) **बसवन्ना, अल्लमा प्रभु** और **अक्कामहादेवी** वीरशैव मत के समर्थक थे।
(घ) **पंढरपुर** महाराष्ट्र में भक्ति परंपरा का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।

प्रश्न 3: नाथपंथियों, सिद्धों और योगियों के विश्वासों और आचार व्यवहारों का वर्णन करें।

उत्तर नाथपंथियों, सिद्धों और योगियों के विश्वासों और आचार-व्यवहारों का वर्णन इस प्रकार हैं:

1. पारंपरिक क्षेत्रीय और सामाजिक व्यवस्था के अनुष्ठान और अन्य पहलुओं की आलोचना की।
2. उन्होंने अपने विचारों को प्रस्तुत करने के लिए सरल और तार्किक तर्कों का इस्तेमाल किया।
3. वे संसार के त्याग की वकालत करते हैं।
4. उनके अनुसार निराकार परम वास्तविकता पर ध्यान करने और इसके साथ एकता की अनुभूति से मोक्ष प्राप्त किया जा सकता है।
5. मोक्ष प्राप्त करने के लिए, उन्होंने योग आसन, श्वास व्यायाम और ध्यान जैसी प्रथाओं के माध्यम से मन और शरीर के गहन प्रशिक्षण की वकालत की।

प्रश्न 4: कबीर द्वारा अभिव्यक्त प्रमुख विचार क्या क्या थे? उन्होंने इन विचारों को कैसे अभिव्यक्त किया?

उत्तर: कबीर के प्रमुख विचार इस प्रकार थे:

1. वह एक निराकार सर्वोच्च ईश्वर में विश्वास करते थे और प्रचार करते थे कि भक्ति मुक्ति का एकमात्र मार्ग है।
2. उनकी शिक्षाएं प्रमुख धर्मों की जोरदार प्रतिक्रिया पर आधारित थीं
3. उन्होंने ब्राह्मणवादी हिंदुस्तान और इस्लाम दोनों की सभी प्रकार की बाहरी पूजा का खुले तौर पर उपहास किया।
4. उन्होंने पुरोहित वर्गों और जाति व्यवस्था की श्रेष्ठता का भी उपहास किया।
5. अपने विचारों को व्यक्त करने के लिए, उन्होंने बोली जाने वाली हिंदी के एक रूप का इस्तेमाल किया।

MUKUTclasses

आइए समझें

प्रश्न 5: सूफियों के प्रमुख आचार-व्यवहार क्या थे?
उत्तर : सूफियों के प्रमुख आचार-व्यवहार:

1. उन्होंने बाहरी धार्मिकता को अस्वीकार कर दिया और भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति पर जोर दिया।
2. उन्होंने सभी मनुष्यों के प्रति करुणा पर भी जोर दिया।
3. उन्होंने मूर्ति पूजा को खारिज कर दिया और पूजा के अनुष्ठानों को सामूहिक प्रार्थनाओं में बदल दिया।
4. वे एकेश्वरवाद या एक ईश्वर के प्रति समर्पण में विश्वास करते थे।
5. उन्होंने मुस्लिम धार्मिक विद्वानों द्वारा मांगे गए विस्तृत अनुष्ठानों और व्यवहार के कोड को खारिज कर दिया।

प्रश्न 6: आपके विचार से बहुत-से गुरुओं ने उस समय प्रचलित धार्मिक विश्वासों तथा प्रथाओं को अस्वीकार क्यों किया?
उत्तर: कई गुरुओं ने उस समय प्रचलित धार्मिक विश्वासों तथा प्रथाओं को अस्वीकार कर दिया क्योंकि:

1. इनने समाज में मतभेद पैदा किए।
2. उन शिक्षाओं ने उच्च जाति के लोगों का पक्ष लिया और निचली जाति के लोगों ने पीड़ित किया।
3. यह विचार कि सभी मनुष्य समान नहीं हैं, समाज में प्रचलित थे और इसे समाप्त किया जाना चाहिए।
4. वे ईश्वर की समानता में विश्वास करते थे और समाज की बुराइयों को तोड़ना चाहते थे।
5. भक्ति के साथ भगवान के पास जाने से बंधन टूट सकता है।

प्रश्न 7: बाबा गुरु नानक की प्रमुख शिक्षाएँ क्या थी?
उत्तर: बाबा गुरु नानक की प्रमुख शिक्षाएँ स प्रकार है:

1. उन्होंने एक ईश्वर की पूजा पर जोर दिया।
2. उन्होंने जोर देकर कहा कि मुक्ति प्राप्त करने के लिए जाति, पंथ या लिंग अप्रासंगिक है।
3. मुक्ति का उनका विचार सामाजिक प्रतिबद्धता की मजबूत भावना के साथ सक्रिय जीवन की खोज था।
4. उन्होंने स्वयं अपनी शिक्षाओं के सार के लिए नाम, दान और इन्सान शब्दों का प्रयोग किया, जिसका वास्तव में अर्थ था सही पूजा, आचरण की शुद्धता का कल्याण।
5. उन्होंने समानता के विचार को बढ़ावा दिया।
6. उन्होंने सही विश्वास और पूजा, ईमानदार जीवन और दूसरों की मदद करने के महत्व को निर्देशित किया।

MUKUTclasses

आइए विचार करें

प्रश्न 8: जाति के प्रति वीरशैवों अथवा महाराष्ट्र के संतों का दृष्टिकोण कैसा था?
उत्तर: जाति के प्रति वीरशैवों अथवा महाराष्ट्र के संतों का दृष्टिकोण इस प्रकार था :

1. उन्होंने मंदिर की पूजा पर प्रतिक्रिया व्यक्त की।
2. वीरशैवों ने सभी मनुष्यों की समानता के लिए दृढ़ता से तर्क दिया।
3. उन्होंने जाति और महिलाओं के उपचार के बारे में ब्राह्मणवादी विचारों को खारिज कर दिया।

प्रश्न 9: आपके विचार से जनसाधारण ने मीरा की याद को क्यों सुरक्षित रखा?
उत्तर: निम्नलिखित कारणों से जनसाधारण ने मीरा की याद को सुरक्षित रखा:

1. वह कृष्ण की भक्त थीं।
2. उन्होंने अपने प्रिय स्वामी के प्रति गहन भक्ति व्यक्त करते हुए असंख्य भजनों की रचना की।
3. उसने पति द्वारा भेजा गया जहर भी पी लिया, लेकिन वह नहीं मरी। इसने उसे प्रभु द्वारा बचाए जाने के रूप में लोकप्रिय बनाया। इस प्रकार, एक सच्चे भक्त के रूप में उसकी प्रामाणिकता साबित हुई।
4. उनके गीतों ने "उच्च" जातियों के घुमंथों को खुले तौर पर चुनौती दी और राजस्थान और गुजरात में जनता के बीच लोकप्रिय हुए।